No. of Printed Pages : 4

MMDE-071

00284

M.Ed. SPECIAL EDUCATION
VISUAL IMPAIRMENT (MEDSEVI)

Term-End Examination

June, 2013

MMDE-071 : PSYCHO-SOCIAL AND EDUCATIONAL IMPLICATION OF CHILDREN WITH VISUAL IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *Both* ***Part 'A'*** *and* ***Part 'B'*** *are* ***compulsory.***

PART - A

Write short notes on ***any three*** *of the following questions* ***(1 to 5)*** *from Part 'A'. Each question carries 5 marks.* **5x3=15**

1. 'Low vision is not blindness' - comment by defining the terms 'low vision' and 'blindness'.

2. Discuss the objective effects of blindness put forth by Lowenfeld.

3. Why does ophthalmic assessment come first in the early intervention for children with visual problems ?

4. Describe the teaching strategies for children with deaf-blind.

5. Enumerate the milestones of gross motor development up to age 5 in children with visual impairment.

PART - B

Attempt *Four* questions from **Part 'B'.** Question No. *11* is compulsory. Each question carries *15* marks. **15x4=60**

6. Explain the structure and function of each part of human eye with its role in process of seeing.

7. Discuss the factors affecting adjustment of persons with visual impairment. How can they be helped for the adjustment process ?

8. Why do we need both clinical and functional assessment ? Describe the clinical assessment of visual acuity and visual field.

9. Discuss the characteristics of children with visual impairment having learning disabilities by classifying the various categories of learning disabilities.

10. Discuss the development lacunae in the cognitive and concept development due to visual impairment during early years. How do we help them to attain both cognitive and concept development at par with non - disabled children?

11. Describe the functional assessment of low vision. How do we develop visual efficiency of low vision through training ?

OR

Discuss psycho - social implications of visual impairment on personality development. Work-out the strategy for developing personality of children with visual impairment.

एम.एम.डी.ई-071

एम.एड. विशेष शिक्षा
दृष्टिबाधिता (एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एम.डी.ई-071 : दृष्टिबाधित बच्चों पर मनो-सामाजिक तथा शैक्षणिक प्रभाव

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

निर्देश : *'**भाग - अ**' और '**भाग - ब**' दोनों **अनिवार्य** हैं।*

भाग - अ

*निम्नलिखित प्रश्नों (1 से 5) 'भाग - 'अ' में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। सभी प्रश्न 5 **अंक** के हैं।* 5x3=15

1. 'मंद दृष्टि' 'अंधता' नहीं है।' मंद दृष्टि एवं अंधता को परिभाषित करते हुए इस पर टिप्पणी करें।

2. लोवेनफेल्ड द्वारा दिया गया दृष्टिबाधा के वस्तुनिष्ठ प्रभावों की चर्चा करें।

3. दृष्टिबाधित बच्चों के प्रारंभिक हस्तपेक्ष में आँखों की जाँच सर्वप्रथम क्यों आती है?

4. बधिरांध बच्चों के लिए शिक्षण पद्धतियों की व्याख्या करें।

5. 5 वर्ष तक के दृष्टिबाधित बच्चों में स्थूल गामक विकास के पड़ाव को लिखें।

भाग 'ब'

भाग 'ब' से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या *11* ***अनिवार्य*** है। सभी प्रश्न *15* अंक के हैं। **15x4=60**

6. मानव आँख के प्रत्येक भाग के बनावट एवं कार्य का इसके देखने की प्रक्रिया में भूमिका के साथ व्याख्या करें।

7. दृष्टिबाधित व्यक्तियों के समायोजन को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा करें। समायोजन प्रक्रिया में उनकी कैसे सहायता कर सकते हैं?

8. चिकित्सीय और कार्यात्मक दोनों आकलन की हमें आवश्यकता क्यों होती है? दृष्टि तीक्ष्णता एवं दृष्टि क्षेत्र के चिकित्सीय आकलन की व्याख्या करें।

9. अधिगम अक्षमता के विभिन्न वर्गों को वर्गीकृत करते हुए दृष्टिबाधिता के साथ अधिगम अक्षमता वाले बच्चों की विशेषताओं की चर्चा करें।

10. प्रारंभिक वर्षों के दौरान दृष्टिबाधा के कारण संज्ञानात्मक एवं प्रत्यय विकास में कमी की चर्चा करें। सामान्य बच्चों की तरह संज्ञानात्मक एवं प्रत्यय विकास के लिए हम उनकी कैसे सहायता कर सकते हैं?

11. मंद दृष्टि के कार्यात्मक आकलन की व्याख्या करें। प्रशिक्षण के द्वारा हम मंद दृष्टि की दृष्टि क्षमता का विकास कैसे कर सकते हैं?

अथवा

व्यक्तित्व विकास पर दृष्टिबाधा के मनो - सामाजिक प्रभाव की चर्चा करें। दृष्टिबाधित बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए उपाय सुझाइए।